राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 06/01/2026 को राष्ट्रीय कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम (सप्तम बैच) का आयोजन
(राज्य एवं जिला स्तर से आमंत्रित अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति)

राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (मिशन कर्मयोगी) भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य क्षमता निर्माण की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। यह कार्यक्रम दक्ष, भविष्य के लिए तैयार तथा नागरिक-केंद्रित प्रशासनिक तंत्र विकसित करने पर केंद्रित है, जिसमें योग्यता आधारित शिक्षण, सतत क्षमता विकास तथा डिजिटल सशक्तिकरण को प्रमुखता दी गई है।

इसी दृष्टिकोण के अनुरूप मिशन कर्मयोगी सप्तम बैच प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आयोजन **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन. आई. सी.), उत्तर प्रदेश द्वारा** किया गया किया गया, जिसका उद्देश्य अधिकारियों को मिशन कर्मयोगी की अवधारणा, **आई.गॉट. कर्मयोगी** डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म तथा सतत व्यावसायिक विकास के सिद्धांतों से अवगत कराना था।

सप्तम बैच की झलकियाँ

कर्मयोगी मास्टर ट्रेनर्स

- श्री दीपक शर्मा, वरिष्ठ निदेशक (आईटी)
- श्री सुनील श्रीवास्तव, वरिष्ठ निदेशक (आईटी)
- श्री राज कुमार गुप्ता , निदेशक (आईटी)
- श्री प्रदीप कुमार, संयुक्त निदेशक (आईटी)

प्रशिक्षण कार्यक्रम की संरचना (एक दिवसीय)

सत्र-I: पंजीकरण सत्र

- स्वागत उद्बोधन
- प्रतिभागियों का पंजीकरण
- मिशन कर्मयोगी का संक्षिप्त परिचय एवं महत्व
- डिजिटल क्षमता निर्माण में **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन. आई. सी.), उत्तर प्रदेश** की भूमिका

सत्र-II: मिशन कर्मयोगी की समझ

- मिशन कर्मयोगी की दृष्टि, स्तंभ एवं अपेक्षित परिणाम
- सिविल सेवाओं हेतु योग्यता ढांचा
- व्यवहारिक, कार्यात्मक एवं डोमेन आधारित योग्यताएँ

सत्र-III: आई.गॉट. कर्मयोगी प्लेटफॉर्म का परिचय

- **आई.गॉट.** कर्मयोगी डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का अवलोकन
- पंजीकरण एवं प्रोफाइल निर्माण
- डैशबोर्ड एवं लर्निंग पाथवे की जानकारी
- भूमिका आधारित पाठ्यक्रमों का चयन

सत्र-IV: हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

- लाइव डेमो के माध्यम से पाठ्यक्रम नामांकन
- लर्निंग मॉड्यूल एवं मूल्यांकन तक पहुँच
- प्रगति ट्रैकिंग एवं प्रमाण-पत्र प्राप्ति प्रक्रिया

सत्र-V: श्रेष्ठ अभ्यास एवं उपयोग के उदाहरण

- सफल अनुभवों एवं श्रेष्ठ अभ्यासों का साझा करना
- डिजिटल शिक्षण अपनाने से जुड़े केस स्टडी
- कार्यस्थल पर सीख को लागू करने पर चर्चा

सत्र-VI: संवाद एवं प्रतिपुष्टि

- प्रतिभागियों के साथ खुला संवाद
- प्रश्नों एवं समस्याओं का समाधान
- भविष्य के प्रशिक्षण हेतु सुझाव

सत्र-VII: समापन सत्र

- प्रशिक्षण के प्रमुख निष्कर्षों का सार
- आगे की कार्ययोजना
- धन्यवाद ज्ञापन

प्रशिक्षण के प्रमुख परिणाम

- मिशन कर्मयोगी की अवधारणा एवं उद्देश्यों की बेहतर समझ
- योग्यता आधारित शिक्षण के प्रति जागरूकता में वृद्धि
- **आई.गॉट.** कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के उपयोग में आत्मविश्वास
- सतत एवं स्वप्रेरित शिक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण
- अधिकारियों में डिजिटल सोच का सुदृढ़ीकरण

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.),उत्तर प्रदेश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावी योजना एवं सफल क्रियान्वयन के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन और क्षमता निर्माण को सक्षम बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः सुदृढ़ किया। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से एन.आई.सी. मिशन कर्मयोगी की परिकल्पना को समर्थन देते हुए सतत शिक्षण, डिजिटल सशक्तिकरण तथा प्रशासनिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देता रहा है।

National Karmayogi Training Programme (Seventh Batch) on 06/01/2026 by the National Informatics Centre, Uttar Pradesh

(Distinguished presence of invited officers from the State and District levels)

The National Programme for Civil Services Capacity Building (Mission Karmayogi) is a flagship initiative of the Government of India, aimed at strengthening the capacity-building ecosystem. The programme focuses on developing an efficient, future-ready, and citizen-centric administrative system, with emphasis on competency-based learning, continuous capacity development, and digital empowerment.

In alignment with this vision, the **Mission Karmayogi 7th Batch Training Workshop** was organized by the **National Informatics Centre (NIC), Uttar Pradesh**, with the objective of familiarizing officers with the concept of Mission Karmayogi, the **iGOT Karmayogi digital learning platform**, and the principles of continuous professional development.

Glimpses of the 7th Batch

Karmayogi Master Trainers

- Shri Deepak Sharma, Senior Director (IT)
- Shri Sunil Srivastava, Senior Director (IT)
- Shri Raj Kumar Gupta, Director (IT)
- Shri Pradeep Kumar, Joint Director (IT)

Structure of the Training Programme (One-Day)

Session I: Registration Session

- Welcome Address
- Registration of Participants
- Brief Overview and Significance of Mission Karmayogi
- Role of the National Informatics Centre (NIC), Uttar Pradesh in Digital Capacity Building

Session II: Understanding Mission Karmayogi

- Vision, Pillars, and Expected Outcomes of Mission Karmayogi
- Competency Framework for Civil Services
- Behavioural, Functional, and Domain-based Competencies

Session III: Introduction to the iGOT Karmayogi Platform

- Overview of the iGOT Karmayogi Digital Learning Platform
- Registration and Profile Creation
- Understanding the Dashboard and Learning Pathways
- Selection of Role-based Courses

Session IV: Hands-on Training

- Course Enrolment through Live Demonstration
- Access to Learning Modules and Assessments
- Progress Tracking and Certification Process

Session V: Best Practices and Use Cases

- Sharing of Success Stories and Best Practices
- Case Studies on Digital Learning Adoption
- Discussion on Applying Learning at the Workplace

Session VI: Interaction and Feedback

- Open Interaction with Participants
- Resolution of Queries and Issues
- Suggestions for Future Training Programmes

Session VII: Valedictory Session

- Summary of Key Learnings
- Way Forward and Action Plan
- Vote of Thanks

Key Outcomes of the Training

- Improved understanding of the concept and objectives of Mission Karmayogi
- Increased awareness of competency-based learning
- Enhanced confidence in using the iGOT Karmayogi platform
- Positive orientation towards continuous and self-driven learning
- Strengthening of digital mindset among officials

The **National Informatics Centre (NIC),Uttar Pradesh** reaffirmed its pivotal role in enabling digital transformation and capacity building by effectively planning and executing the training programme. Through such initiatives, NIC continues to support the vision of Mission Karmayogi by fostering a culture of continuous learning, digital empowerment, and administrative excellence.